This question paper contains **4+2** printed pages]

3642-R

B.A. (Third Year) EXAMINATION, 2018

SANSKRIT

Paper - II

(इतिहास, दर्शन, अनुवाद, व्याकरण एवं निबन्ध)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Part A (खण्ड 'अ') [Marks : 20]

*Answer all questions (**50** words each).*
***All** questions carry equal marks.*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **50** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

Part B (खण्ड 'ब') [Marks : 50]

*Answer five questions (**250** words each), selecting **one** question from each Unit.*
***All** questions carry equal marks.*

*प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

Part C (खण्ड 'स') [Marks : 30]

*Answer any two questions (**300** words each).*
***All** questions carry equal marks.*

*कोई **दो** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

P.T.O.

Part A (खण्ड 'अ')

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

Unit I (इकाई I)

(*i*) रामायण में कुल कितने काण्ड हैं ?

(*ii*) दो प्रमुख ऐतिहासिक महाकाव्यों के नाम लिखिए।

Unit II (इकाई II)

(*iii*) भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) के अनुसार पण्डित लोग किस विषय में शोक नहीं करते ?

(*iv*) बौद्ध दर्शन के 'अष्टांगिक मार्गों' के नाम लिखिए।

Unit III (इकाई III)

(*v*) 'वृक्षों से पत्ते गिरते हैं' वाक्य का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

(*vi*) 'राम के साथ सीता भी वन में गई' वाक्य का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

Unit IV (इकाई IV)

(*vii*) 'गत्वा' शब्द में प्रयुक्त प्रकृति-प्रत्यय लिखिए।

(*viii*) 'चेतव्यम्' शब्द में प्रयुक्त प्रकृति-प्रत्यय लिखिए।

Unit V (इकाई V)

(*ix*) 'सत्सङ्गतिः' विषय पर संस्कृत में **दो** वाक्य लिखिए।

(*x*) 'उद्योगः' विषय पर संस्कृत में **दो** वाक्य लिखिए।

Part B (खण्ड 'ब')

Unit I (इकाई I)

2. रामायण के सांस्कृतिक महत्त्व का वर्णन कीजिए।

अथवा

प्रमुख गद्यकाव्यों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

Unit II (इकाई II)

3. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) में वर्णित आत्मा के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

अथवा

बौद्ध दर्शन के चार आर्य सत्यों में वर्णित बुद्ध के उपदेशों का सार लिखिए।

Unit III (इकाई III)

4. निम्नलिखित अवतरण का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

(अ) संसार में सभी मानव सुख चाहते हैं। सुख दो प्रकार का होता है—आन्तरिक और बाह्य। आन्तरिक सुख हमारे मन से तथा बाह्य सुख शरीर से सम्बन्धित होता है। दोनों सुख,

परस्पर सम्बन्धित हैं। शास्त्रों के अनुसार दोनों प्रकार का सुख नौ प्रकार का कहा गया है। उन सभी में 'आरोग्य' सर्वप्रमुख माना गया है। जो लोग शरीर से स्वस्थ रहते हैं, वे प्राय: स्वभाव से भी प्रसन्न रहते हैं। जो अस्वस्थ होते हैं, उनका स्वभाव व व्यवहार रूखा हो जाता है। हमारे सभी सांसारिक व धार्मिक कार्यों का साधन स्वस्थ शरीर ही होता है। महाकवि कालिदास भी कहते हैं कि 'शरीर कर्तव्य का प्रथम साधन है।'

अथवा

(ब) भारतवर्ष एक ऋतुप्रधान देश है। यहाँ एक वर्ष में छ: ऋतुएँ होती हैं। प्रत्येक ऋतु दो मास में होती है। सभी ऋतुओं में वसन्त ऋतु सर्वश्रेष्ठ है। इसलिए इसे ऋतुराज भी कहा जाता है। यह ऋतु सभी ऋतुओं से सुन्दर, आकर्षक व मनोहर होती है। इस ऋतु में सभी लताएँ, वृक्ष आदि नये-नये पत्ते व फूल धारण करते हैं। रंग-बिरंगे फूलों पर भौंरे गुञ्जन करते रहते हैं। वसन्त ऋतु में सभी दिशाएं व आकाश साफ रहते हैं। इस समय सभी प्राणी आह्लादित व प्रसन्न रहते हैं।

Unit IV (इकाई IV)

5. निम्नलिखित शब्दों का सूत्र-निर्देशपूर्वक प्रकृति-प्रत्यय लिखिए :

(*i*) कार्यम्

(*ii*) पठितवान्

(*iii*) नेयम्

(*iv*) गन्तव्यम्।

अथवा

निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

(*i*) अचो यत्

(*ii*) तव्यत्तव्यानीयरः

(*iii*) ग्रामजनबन्धुभ्यस्तल्

(*iv*) अजाद्यतष्टाप्।

Unit V (इकाई V)

6. 'भारतीय-संस्कृतिः' विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए।

अथवा

'विद्या-महत्त्वम्' विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए।

Part C (खण्ड 'स')

Unit I (इकाई I)

7. महाभारत का सामान्य परिचय देते हुए उसके ऐतिहासिक विकास पर एक लेख लिखिए।

Unit II (इकाई II)

8. जैन दर्शन के पञ्च महाव्रतों का परिचय दीजिए।

Unit III (इकाई III)

9. निम्नलिखित शब्दों का सूत्र-निर्देशपूर्वक प्रकृति-प्रत्यय लिखिए :

(*i*) पठन्

(*ii*) सेवामान:

(*iii*) कुमारी

(*iv*) गुरुत्वम्।

Unit IV (इकाई IV)

10. निम्नलिखित अवतरण का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

इस संसार में असंख्य भाषाएँ हैं। उन सभी भाषाओं में संस्कृत भाषा सर्वोत्तम कही गई है। संस्कारयुक्त, दोषरहित और परिष्कृत भाषा संस्कृत भाषा कहलाती है। इसे देववाणी, सुरवाणी, गीर्वाणवाणी भी कहते हैं। इसके ये नाम ही इसके महत्त्व व इसकी प्रतिष्ठा को सूचित करते हैं। संस्कृत भाषा संसार की सभी भाषाओं में प्राचीनतम है। इसका साहित्य अत्यधिक विशाल है। भगवान् के मुख से उत्पन्न चारों वेद इसी भाषा की शोभा बढ़ाते हैं। ऋग्वेद चारों वेदों में प्राचीनतम है। भारत की प्राय: सभी भाषाओं की यह जननी है, वे इसकी पुत्रियाँ हैं।

Unit V (इकाई V)

11. 'महाकवि: कालिदास:' विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए।